मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत हुआ पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का अयोजन

एटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय इटावा में अंतर महाविद्यालय परिसर जिसमें दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य महाविद्यालय सहित इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के मध्य पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का आयोजन देश में प्रायोजित कार्यक्रम %मेरी माटी, मेरा देश% के अंतर्गत अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा की अध्यक्षता में सत्येंद्र पाल निदेशक शारीरिक शिक्षा के द्वारा आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि बृजेश यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। मुख्य अतिथि ने खेल को छात्रों के जीवन में बहुआयामी विकास के लिए उपयोगी बताया साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और मैत्री भावना से खेल खेलने की सलाह दी इसी क्रम में डॉक्टर एन के शर्मा ने उनको बुके देकर सम्मानित किया और उनके द्वारा यहां आकर छात्रों को प्रोत्साहन करने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डा. टी के माहेश्वरी, इंजी. एम ए हुसैन सहित समस्त छात्र एवं स्टाफ उपस्थित रहा। आयोजक ने बताया कि जीतने वाली टीम को 15 अगस्त के दिन सम्मानित किया जाएगा।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

13,08,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत हुआ पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का अयोजन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय इटावा में अंतर महाविद्यालय परिसर जिसमें दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य महाविद्यालय सहित इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के मध्य पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का आयोजन देश में प्रायोजित कार्यक्रम 'मेरी माटी, मेरा देश' के अंतर्गत अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा की अध्यक्षता में श्री सत्येंद्र पाल निदेशक शारीरिक शिक्षा के द्वारा आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री बृजेश यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। मुख्य अतिथि ने खेल को छात्रों के जीवन में बहुआयामी विकास के लिए उपयोगी बताया साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और मैत्री भावना से खेल खेलने की सलाह दी।इसी क्रम में डॉक्टर एन के शर्मा ने उनको बुके देकर सम्मानित किया और उनके द्वारा यहां आकर छात्रों को प्रोत्साहन करने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डा. टी के माहेश्वरी, इंजी. एम ए हुसैन सहित समस्त छात्र एवं स्टाफ उपस्थित रहा। आयोजक ने बताया कि जीतने वाली टीम को 15 अगस्त के दिन सम्मानित किया जाएगा।

बरसात के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पशुओं को टीकाकरण करके संक्रामक रोगों से तो बचाव कर लेना चाहिए

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बरसात के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया। उन्होने बताया कि वर्षा ऋतु का समय जून महीने से लेकर सितम्बर तक का होता है। पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाता है। इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को भी मिलती है जिनके द्वारा पशुओं को आंतरिक ओर वाह्य परजीवियों के रोग हो जाते हैं। मौसमी बीमारियों की वजह से दुधारू पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है, इससे उनके दूध उत्पादन में कमी आ जाती है और उसके कारण दूध उत्पादक का काफी आर्थिक नुकसान हो जाता है। उन्होने उक्त बातें ग्राम बिहारी पुरवा में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत बारिश के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर कही। कार्यक्रम में कृषको से बात करते डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस दौरान वातावरण में अधिक आद्रता होने की वजह से वातावरण के तापमान में अधिक उतार चढाव देखने को मिलता है जिसका

कुप्रभाव प्रत्येक श्रेणी के पशुओं पर भी पड़ता हैं। वातावरण में आद्रता की अधिकता होने के कारण पशु की पाचन प्रक्रिया के साथ-साथ उसकी आन्तरिक रोगरोधक शक्ति पर भी असर पड़ता है। परिणामस्वरूप पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाता हैं। कृषकों को जानकारी देते डॉ निमिषा अवस्थी ने कहा कि इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को भी मिलती है जिनके द्वारा पशुओं को प्रोटोजुन एवम् पेरासिटिक रोग हो जाते हैं। इन रोगों के प्रकोप से पशु का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। कार्यक्रम में पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुपालकों की को बताया की बारिश के मौसम पूर्व अपने पशुओं को टीकाकरण करके संक्रामक रोगों से तो बचाव कर लेना चाहिए, इसके साथ ही इस मौसम में परजीवियों का भी खतरा होता है ये पशुओं में बहुत हानि पहुंचाते हैं। बरसात के मौसम में जगह-जगह पानी भरने से पशुओं द्वारा मिट्टी और पानी भी संक्रमित हो जाते हैं। जिसके संपर्क में आने से स्वस्थ पशुओं के संक्रमित होने की सम्भावना बढ़ जाती है। इस लिए रोगी पशु को स्वस्थ पशु से अलग रखें। इस मौसम में पशुओं में होने वाले प्रमुख संक्रामक रोग जैसे गलघोटू, लंगड़ा बुखार, खुरपका, मुंहपका, न्यूमोनिया आदि हैं। परजीवी रोगों में बबेसिओसिस, थैलेरिओसिस व परजीवी जूं, चिचड़ आदि प्रमुख हैं। इस मौसम में पशुओं की सफाई का खास खयाल रखे। खुर पका से बचाव हेतु सप्ताह में एक या दो बार हल्के लाल दवाई के घोल से पशुओं के खुरों को साफ करना चाहिए। ज्यादा नमी के कारण पशु आहार में फफूँद लगने की संभावना बढ़ जाती है तथा ऐसा आहार खाने से पशु बीमार हो सकते हैं। अतः उचित आहार व्यवस्था भी जरूरी है। कार्यक्रम में ग्राम बिहारी पुरवा के प्रधान समेत कुल 50 पशुपालकों ने प्रतिभाग किया ।

मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत हुआ पांच दिवसीय फुटबॉल खेल

आज का कानपुर

इटावा कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय इटावा में अंतर महाविद्यालय परिसर जिसमें दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य महाविद्यालय सहित इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के मध्य पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का आयोजन देश में प्रायोजित कार्यक्रम %मेरी माटी, मेरा देश% के अंतर्गत अधिष्ठाता डॉक्टर एनके शर्मा की अध्यक्षता में सत्येंद्र पाल निदेशक शारीरिक शिक्षा के द्वारा आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि बृजेश यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया मुख्य अतिथि ने खेल को छात्रों के जीवन में बहुआयामी विकास के लिए उपयोगी बताया साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और मैत्री भावना से खेल खेलने की सलाह दी इसी क्रम में डॉक्टर एनके शर्मा ने उनको बुके देकर सम्मानित किया और उनके द्वारा यहां आकर छात्रों को प्रोत्साहन करने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डा. टी के माहेश्वरी, इंजी. एम ए हुसैन सहित समस्त छात्र एवं स्टाफ उपस्थित रहा आयोजक ने बताया कि जीतने वाली टीम को 15 अगस्त के दिन सम्मानित किया जाएगा

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा मे प्रसारित

कानपुर, रविवार 13 अगस्त 2023 पृष्ठ :

पशुओं की देखभाल का दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बरसात के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया उन्होने बताया कि वर्षा ऋतु का समय जून महीने से लेकर सितम्बर तक का होता है पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाता है इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को भी मिलती है जिनके द्वारा पशुओं को आंतरिक ओर बाह्य परजीवियों के रोग हो जाते हैं। मौसमी बीमारियों की वजह से दुधारू पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है, इससे उनके दूध उत्पादन में कमी आ जाती है और उसके कारण दूध उत्पादक का काफी आर्थिक नुकसान हो जाता है। उन्होने उक्त बातें ग्राम बिहारी पुरवा में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत बारिश के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर कही। इस मौसम में पशुओं में होने वाले प्रमुख संक्रामक रोग जैसे गलघोटू, लंगड़ा बुखार, खुरपका, मुंहपका, न्यूमोनिया आदि हैं परजीवी रोगों में ब ब ेसिओसिस, थैलेरिओसिस व परजीवी जूं, चिच ? आदि प्रमुख हैं इस मौसम में पशुओं की सफाई का खास खयाल रखे खुर पका से बचाव हेतु सप्ताह में एक या दो बार हल्के लाल दवाई के घोल से पशुओं के खुरों को साफ करना चाहिए ज्यादा नमी के कारण पशु आहार में फफूँद लगने की संभावना ब ? जाती है तथा ऐसा आहार खाने से पशु बीमार हो सकते हैं। अत: उचित आहार व्यवस्था भी जरूरी है। कार्यक्रम में ग्राम बिहारी पुरवा के प्रधान समेत कुल 50 पशुपालकों ने प्रतिभाग किया।

युवाओं के सपनों का प्रदेश बनाने के लिए नशे से मुक्ति जरूरी

हिंदी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
रविवार, 13 अगस्त, 2023 लखनऊ से प्रकाशित वर्ष :

मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत हुआ पांच दिवसीय फुटबॉल खेल

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय इटावा में अंतर महाविद्यालय परिसर जिसमें दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य महाविद्यालय सहित इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के मध्य पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का आयोजन देश में प्रायोजित कार्यक्रम %मेरी माटी, मेरा देश% के अंतर्गत अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा की अध्यक्षता में सत्येंद्र पाल निदेशक शारीरिक शिक्षा के द्वारा आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि बृजेश यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। मुख्य अतिथि ने खेल को छात्रों के जीवन में बहुआयामी विकास के लिए उपयोगी बताया साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और मैत्री भावना से खेल खेलने की सलाह दी।

बरसात में पशुओं का बीमारियों से बचाना जरुरी

बारिश के मौसम में पशुओं की देखभालके लिए पशु पालक प्रशिक्षण

किसानो को जानकारी देते वैज्ञानिक ।

कानपुर, 12 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बरसात के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया। उन्होने बताया कि वर्षा ऋतु का समय जून महीने से लेकर सितम्बर तक का होता है। पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाता है। इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को भी मिलती है जिनके द्वारा पशुओं को आंतरिक ओर बाह्य परजीवियों के रोग हो जाते हैं। मौसमी बीमारियों की वजह से दुधारू पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है, इससे उनके दूध उत्पादन में कमी आ जाती है और उसके कारण दूध उत्पादक का काफी आर्थिक नुकसान हो जाता है। ग्राम बिहारी पुरवा में आयोजित अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत बारिश के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस दौरान वातावरण में अधिक आद्रता होने की वजह से वातावरण के तापमान में अधिक उतार-चढाव देखने को मिलता है जिसका कुप्रभाव प्रत्येक श्रेणी के पशुओं पर भी पड़ता हैं। वातावरण में आद्रता की अधिकता होने के कारण पशु की पाचन प्रक्रिया के साथ-साथ उसकी आन्तरिक रोगरोधक शक्ति पर भी असर पडता है। परिणामस्वरूप पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाता हैं। कृषकों को जानकारी देते डॉ निमिषा अवस्थी ने कहा कि इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को भी मिलती है जिनके द्वारा पशुओं को प्रोटोजुन एवम् पेरासिटिक रोग हो जाते हैं। इन रोगों के प्रकोप से पशु का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। कार्यक्रम में पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुपालकों की को बताया की बारिश के मौसम पूर्व अपने पशुओं को टीकाकरण करके संक्रामक रोगों से तो बचाव कर लेना चाहिए, इसके साथ ही इस मौसम में परजीवियों का भी खतरा होता है ये पशुओं में बहुत हानि पहुंचाते हैं। बरसात के मौसम में जगह-जगह पानी भरने से पशुओं द्वारा मिट्टी और पानी भी संक्रमित हो जाते हैं। जिसके संपर्क में आने से स्वस्थ पशुओं के संक्रमित होने की सम्भावना बढ जाती है। इस लिए रोगी पशु को स्वस्थ पशु से अलग रखें। इस मौसम में पशुओं में होने वाले प्रमुख संक्रामक रोग जैसे गलघोटू, लंगड़ा बुखार, खुरपका, मुंहपका, न्यूमोनिया आदि हैं। परजीवी रोगों में बबेसिओसिस, थैलेरिओसिस व परजीवी जूं, चिच आदि प्रमुख हैं। इस मौसम में पशुओं की सफाई का खास खयाल रखे। खुर पका से बचाव हेतु सप्ताह में एक या दो बार हल्के लाल दवाई के घोल से पशुओं के खुरों को साफ करना चाहिए। ज्यादा नमी के कारण पशु आहार में फफूँद लगने की संभावना बढ़ जाती है तथा ऐसा आहार खाने से पशु बीमार हो सकते हैं। कार्यक्रम में ग्राम बिहारी पुरवा के प्रधान समेत कुल 50 पशुपालकों ने प्रतिभाग किया ।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

शनिवार

12 अगस्त, 2023

अंक - 08

मेरी माटी, मेरा देश के अंतर्गत पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का हुआ आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय इटावा में अंतर महाविद्यालय परिसर जिसमें दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य महाविद्यालय सहित इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के मध्य पांच दिवसीय फुटबॉल खेल का आयोजन देश में प्रायोजित कार्यक्रम मेरी माटी, मेरा देश के अंतर्गत अधिष्ठाता डॉक्टर एन के शर्मा की अध्यक्षता में श्री सत्येंद्र पाल निदेशक शारीरिक शिक्षा के द्वारा आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री बृजेश यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। मुख्य अतिथि ने खेल को छात्रों के जीवन में बहुआयामी विकास के लिए उपयोगी बताया साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और मैत्री भावना से खेल खेलने की सलाह दी।इसी क्रम में डॉक्टर एन के शर्मा ने उनको बुके देकर सम्मानित किया और उनके द्वारा यहां आकर छात्रों को प्रोत्साहन करने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डा. टी के माहेश्वरी, इंजी. एम ए हुसैन सहित समस्त छात्र एवं स्टाफ उपस्थित रहा। आयोजक ने बताया कि जीतने वाली टीम को 15 अगस्त के दिन सम्मानित किया जाएगा।

मेरी माटी-मेरा देश के अंतर्गत सीएसए में फुटबॉल मैच का आयोजन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

प्रदीप शर्मा

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश क्रम में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय इटावा के अंतर महाविद्यालय परिसर मे देश में चल रहे मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत पांच दिवसीय फुटबाल खेल का आयोजन हुआ। जिसमें दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मत्स्य महाविद्यालय सहित इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने प्रतिभाग किया। अधिष्ठाता

डॉ.एन.के.शर्मा की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी बृजेश यादव द्वारा खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया गया। मुख्य अतिथि ने खेल को छात्रों के जीवन में बहुआयामी विकास के लिए उपयोगी बताते हुए सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी और मैत्री भावना से खेल खेलने की सलाह दी। इसी क्रम में डॉ.एन.के. शर्मा ने मुख्य अतिथि को बुके देकर सम्मानित किया और उनके द्वारा यहां आकर छात्रों को प्रोत्साहन करने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के आयोजक ने बताया कि जीतने वाली टीम को 15 अगस्त के दिन सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ.टी.के. माहेश्वरी, इंजी. एम.ए. हुसैन सहित सभी छात्र एवं स्टाफ मौजूद रहा।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

कानपुर महानगर
वर्षः 05 | पृष्ठ : 08
अंकः 72
मूल्यः ₹ 2.00/-
रविवार | 13 अगस्त, 2023

बारिश के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर पशु पालक प्रशिक्षण

शाश्वत टाइम्स संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बरसात के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया। उन्होने बताया कि वर्षा ऋतु का समय जून महीने से लेकर सितम्बर तक का होता है। पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाता है। इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को भी मिलती है जिनके द्वारा पशुओं को आंतरिक ओर बाह्य परजीवियों के रोग हो जाते हैं। मौसमी बीमारियों की वजह से दुधारू पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है, इससे उनके दूध उत्पादन में कमी आ जाती है और उसके कारण दूध उत्पादक का काफी आर्थिक नुकसान हो जाता है। उन्होने उक्त बातें ग्राम बिहारी पुरवा में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत बारिश के मौसम में पशुओं की देखभाल विषय पर कही। कार्यक्रम में कृषको से बात करते डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस दौरान वातावरण में अधिक आद्रता होने की वजह से वातावरण के तापमान में अधिक उतार चढाव देखने को मिलता है जिसका कुप्रभाव प्रत्येक श्रेणी के पशुओं पर भी पड़ता हैं। वातावरण में आद्रता की अधिकता होने के कारण पशु की पाचन प्रक्रिया के साथ-साथ उसकी आन्तरिक रोगरोधक शक्ति पर भी असर पड़ता है। परिणामस्वरूप पशु अनेक रोगों से ग्रसित हो जाता हैं। कृषकों को जानकारी देते डॉ निमिषा अवस्थी ने कहा कि इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को भी मिलती है जिनके द्वारा पशुओं को प्रोटोजुन एवम् पेरासिटिक रोग हो जाते हैं। इन रोगों के प्रकोप से पशु का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। कार्यक्रम में पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने पशुपालकों की को बताया की बारिश के मौसम पूर्व अपने पशुओं को टीकाकरण करके संक्रामक रोगों से तो बचाव कर लेना चाहिए, इसके साथ ही इस मौसम में परजीवियों का भी खतरा होता है ये पशुओं में बहुत हानि पहुंचाते हैं। बरसात के मौसम में जगह-जगह पानी भरने से पशुओं द्वारा मिट्टी और पानी भी संक्रमित हो जाते हैं। जिसके संपर्क में आने से स्वस्थ पशुओं के संक्रमित होने की सम्भावना बढ़ जाती है। इस लिए रोगी पशु को स्वस्थ पशु से अलग रखें।

इस मौसम में पशुओं में होने वाले प्रमुख संक्रामक रोग जैसे गलघोटू, लंगड़ा बुखार, खुरपका, मुंहपका, न्यूमोनिया आदि हैं। परजीवी रोगों में बबेसिओसिस, थैलेरिओसिस व परजीवी जूं, चिचड़ आदि प्रमुख हैं। इस मौसम में पशुओं की सफाई का खास खयाल रखे। खुर पका से बचाव हेतु सप्ताह में एक या दो बार हल्के लाल दवाई के घोल से पशुओं के खुरों को साफ करना चाहिए। ज्यादा नमी के कारण पशु आहार में फफूँद लगने की संभावना बढ़ जाती है तथा ऐसा आहार खाने से पशु बीमार हो सकते हैं। अतः उचित आहार व्यवस्था भी जरूरी है। कार्यक्रम में ग्राम बिहारी पुरवा के प्रधान समेत कुल 50 पशुपालकों ने प्रतिभाग किया।